*एमएसएमई वित्तपोषण : बैंक और वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) - प्रतिस्पर्धी, सहकार्य अथवा प्रतिस्पर्धी सहकार्य?**

एस. एस. मुंद्ड़ा

श्री सिमन बेल, ग्लोबल लीड, एसएमई फाइनैंस, विश्व बैंक समूह; श्रीमती सुरेखा मरांडी, कार्यपालक निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक; श्री पी. के. पांडा, प्रधानाचार्य, बैंकिंग कृषि विश्वविद्यालय (सीएबी); यहां पर उपस्थित अनेक बैंकों के अध्यक्ष/सीईओ; बैंकिंग क्षेत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण; भरतीय रिज़र्व बैंक के हमारे साथी; देवियो एवं सज्जनो। सर्वप्रथम, मैं 'एमएसएमई वित्तपोषण में वित्तीय प्रौद्योगिकी नवोन्मेष' विषय पर सेमिनार आयोजित करने के लिए सीएबी को बधाई देता हूँ। मैं खास तौर पर भारत में पधारे श्री सिमन बेल का स्वागत करता हूँ और सुबह के सत्र में प्रतिभागियों को संबोधित करने की सहमति देने के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ।

2. मुझे लगता है कि सेमिनार का विषय बहुत ही सामयिक है, विशेष रूप से सभी स्वरूपों में वित्त के डिजिटाइजेशन के लिए लोक नीति को बढ़ावा देने के संबंध में। एमएसएमई क्षेत्र वस्तुत: वैश्विक अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी है। एमएसएमई क्षेत्र विश्व के सकल घरेलू उत्पाद में आधे से अधिक का योगदान देता है और वैश्विक कार्यबल का लगभग दो-तिहाई को रोजगार प्रदान करता है। इसलिए, यह आवश्यक है कि इस क्षेत्र को वित्तीय प्रौद्योगिकी नवोन्मेष का लाभ मिले ताकि यह क्षेत्र वैश्विक वृद्धि के साथ बना रहे।

3. इस सेमिनार के विषय इस चर्चा पर विराम लगता है कि एमएसएमई वित्तपोषण के लिए वित्तीय प्रौद्योगिकी नवोन्मेषों का **क्या** और **कैसे** उपयोग किया जा सकता है और इसे यह मूल स्वरूप में स्वीकार करता है। निश्चित रूप से काफी हद तक, वित्तीय प्रौद्योगिकी (अथवा फिन टेक[1]) नवोन्मेष सभी वित्तीय सेवा मूल्य मध्यमों में मौजूद हैं। इसलिए, चाहे वह थोक बैंकिंग, थोक भुगतान, खुदरा और वाणिज्यिक बैंकिंग, ग्राहक संबंध अथवा भुगतान सेवाएं हो, सभी में फिनटेक का उपयोग हो रहा है। आज हम सिर्फ इस बात पर चर्चा करने जा रहे है कि एमएसएमई वित्तपोषण के लिए फिनटेक का उपयोग क्या है।

4. एमएसएमई वित्तपोषण के संबंध में, मुझे **'अगले दशक के लिए एक नया कारोबारी मॉडल : फिनटेक कंपनियों के साथ सहकार्य'** विषय पर बोलने को कहा गया है। आप सभी इस बात से सहमत होंगे कि बैंकिंग में प्रौद्योगिकी का उपयोग पहले से किया जा रहा है और आमतौर पर इसका उपयोग कुछ समय से वित्त के लिए किया जा रहा है, चाहे वह बुक-कीपिंग, क्रेडिट और डेबिट कार्ड के लिए कंप्यूटर का इस्तेमाल हो अथवा सेवाएं इत्यादि प्रदान करने के लिए एटीएम का इस्तेमाल हो, ये सभी अपने समय के फिनटेक नवोन्मेष थे। किंतु जब हम आज के संदर्भ में फिनटेक की बात करते हैं तो आमतौर पर हमारा अभिप्राय उन नवोन्मेष से होता है जो व्यापक आंकड़ों का विश्लेषण, अल्गोरिदम ट्रेडिंग और ब्लॉक चेन प्रौद्योगिकी और उनके भिन्न रूपों का अनुप्रयोग करने में सक्षम हैं। आज के अपने संबोधन में मेरा जोर वित्तीय प्रौद्योगिकी नवोन्मेष और एमएसएमई वित्तपोषण के लिए फिनटेक प्रतिभागियों के साथ बैंकों के लिए उपलब्ध सहयोग-अवसरों पर होगा।

---

* 20 फरवरी 2017 को मुबंई में बैंकिंग कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एनएएमसीएबीएस सेमिनार में भारतीय रिज़र्व बैंक के उप गवर्नर श्री एस. एस. मुंद्ड़ा द्वारा दिया गया उदघाटन भाषण। इस भाषण को तैयार करने में श्री संजीव प्रकाश, श्री एस. मुगुंथन और सुश्री सुधा विश्वनाथन द्वारा दिए गए सहयोग के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया गया।

[1] वित्तीय स्थिरता बोर्ड ने फिनटेक को प्रोद्योगिकी सक्षम वित्तीय नवोन्मेष के रूप में परिभाषित किया है जिससे नए कारोबार मॉडल, अनुप्रयोग, प्रक्रियाएं अथवा वित्तीय बाजार और संस्थाएं तथा वित्तीय सेवाओं के प्रावधान पर पड़े प्रभाव के बाद उत्पाद शुरू किए जा सकें।

एमएसएमई वित्त्पोषण में वित्तीय प्रौद्योगिकी नवोन्मेष

5. देश के संपूर्ण भौगोलिक क्षेत्र की 51.1 मिलियन इकाइयों के चलते एमएसएमई का योगदान जीडीपी में 8 प्रतिशत, कुल निर्यात में 40 प्रतिशत और विनिर्माण उत्पादन[2] में लगभग 45 प्रतिशत है। यह भी अनुमान है कि ये ईकाइयां देश में लगभग 120 मिलियन लोगों को रोजगार प्रदान करती हैं। इसके अतिरिक्त, इन आंकड़ों में सेवा क्षेत्र में एमएसएमई का योगदान शामिल नहीं है। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय निगम (आईएफसी) के अनुसार, 2.1 से 2.6 अमरीकी डॉलर तक का निधियन अंतराल मात्र उभरते बाजारों के सभी औपचारिक और अनौपचारिक एमएसएमई में मौजूद है जो कि मौजूदा बकाया एमएसएमई ऋण के 30 से 36 प्रतिशत के समान है। एसएमई ऋण, जो जरूरत से बहुत कम दिया गया है, में फिनटेक स्टार्ट-अप के लिए बहुत अवसर हैं जो ऋण हामीदार, बाजार-स्थल उधार इत्यादि जैसी सेवाएं प्रदान करके संवहनीय कारोबार को खड़ा कर सकते हैं और उसे बढ़ा सकते हैं।

6. व्यापक कारोबारी संभावना को देखते हुए एमएसएमई वित्तपोषण क्षेत्र में अनेक फिनटेक कंपनियां तेजी से बढ़ रही हैं। फिनटेक कंपनियां एसएमई को ऋण प्रदान करके, एसएमई को बैंकों और वित्तीय संस्थानों (बाजार-स्थल मॉडल) (अर्थात लेंडिंगकार्ट, एसएमई लेंडिंग.कॉम आदि) से जोड़ करके, अथवा वित्तीय उत्पाद समूहक (अर्थात बैंकबाजार, बुकमाईफारेक्स.कॉम, पॉलिसीबाजार, फंड्सइंडिया.कॉम इत्यादि) बन करके उनके लिए वित्त की पहुंच में सुधार कर रही हैं।

7. फिनटेक कंपनियों ने बढ़ती उन्नत प्रौद्योगिकी और स्मार्टफोन की व्यापक उपलब्धता का लाभ उठाया है और एसएमई उधार को लक्ष्य बनाया है ताकि नवोन्मेष और लचीले उधार उत्पादों से छोटे कारोबारों के लिए निधियन अंतराल को कम किया जा सके। एमएसएमई उधारकर्ता मिनटों में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, वांछित चुकौती समय-सीमा का चुनाव कर सकते हैं और न्यूनतम परेशानी से 2-3 दिनों में अपने बैंक खातों में निधि प्राप्त कर सकते हैं। कुछ दस्तावेजी जरूरतें, त्वरित परिवर्तन काल और लचीली ऋण आकार और समयावधियां हैं। पी2पी ऋणदाता छोटे उधारकर्ताओं के लिए वित्त का महत्वपूर्ण स्रोत बन सकते हैं, यह बात यूके के उदाहरण से स्पष्ट है जहां पी2पी उधार एसएमई को दिए गए नए उधार का लगभग 14 प्रतिशत हिस्सा है[3]। यूके में नेस्ता सर्वेक्षण से पता चलता है कि लगभग 55-60 प्रतिशत पी-2-पी कारोबारी उधारकर्ताओं को या तो बैंकों ने ऋण देने से मना कर दिया था अथवा यह मानते हुए कि वे ऋण-योग्य नहीं थे, इसलिए वे बैंकों में नहीं गए थे। यद्यपि, इस प्रकार के आंकड़ें भारत के लिए उपलब्ध नहीं हैं। मैं मानता हूँ कि ऋण देने से मना किए जाने वाले संभाव्य उधारकर्ताओं की स्थिति अधिक हो सकती है। इस प्रकार, फिनटेक ऋणदाता कंपनियां और बाजार स्थल आधारित ऋणदाओं में इस बात की अंतर्निहित संभावना है कि वे छोटे कारोबारियों के लिए वित्त के वैकल्पिक स्रोत के रूप में उभर सकते हैं। नवोन्मेष करने की इनकी क्षमता को बनाए रखने के साथ इन प्रतिष्ठानों के विनियमन के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक मौजूदा समय में पी2पी ऋण देने को नियंत्रित करने के दृष्टिकोण पर विचार कर रहा है।

8. जैसा कि पूर्व में कहा गया था कि फिनटेक फर्म प्रौद्योगिकी सक्षम होंगी जिनमें बड़े आंकड़ों, विश्लेषण संबंधी और मशीन अधिगम तथा पारंपरिक और गैर पारंपरिक पद्धतियों को संयुक्त रूप से अपनाया जाता है ताकि वैयक्तिक और एसएमई की ऋण-पात्रता का मूल्यांकन किया जा सके। ये फर्म उन छोटे कारोबारियों को भी ऋण देने की इच्छुक हैं जिनके पास संपार्श्विक, अपेक्षित राजस्व अथवा वर्षों का अनुभव नहीं हैं। विदेश की अनेक फिनटेक फर्म ने आधुनिक तकनीकियों को अपनाया है जिसमें अपने उधारकर्ता की जांच करने के लिए मनोवैज्ञानिक आकलन, उनकी सामाजिक मीडिया साख को

[2] http://msme.gov.in/sites/default/files/Background%20Note%20-%20UAM_0.pdf

[3] फिनटेक की प्रतिबद्धता - संसार में कुछ नई अवधारणा?" - वेसबडेन में डच बंडेसबैंक जी20 सम्मेलन में मार्क कार्ने, गवर्नर, बैंक ऑफ इंग्लैंड द्वारा दिया गया भाषण।

निश्चित करना और ऋण देने के पहले अत्यधिक सावधानी बरतना शामिल हैं। इससे उन्हें संभाव्य उधारकर्ता/कारोबार की ऋण-पात्रता जानने के लिए परंपरागत ऋणदाताओं की तुलना में अंतर्निहित लाभ मिलता है।

9. आंकड़े और विश्लेषण के मिश्रण के चलते ऋण जोखिम का ऑनलाइन विश्लेषण करना, संपूर्ण ऋण मूल्यांकन और त्वरित वितरण अब संभव हो गया है। 5-7 वर्ष पूर्व की तुलना में आज फिनटेक फर्म द्वारा अल्गोरिदम आधारित आटोमेटेड ऋण देना संभव क्यों हो पाया है, इसका मुख्य कारण संभावित उधारकर्ताओं के विश्वसनीय आंकड़ों का उपलब्ध होना है। इंटरनेट के विस्तार और मोबाइल की सघनता में हुई अत्यधिक बढ़ोतरी से ई-कामर्स और स्मार्टफोन आधारित सेवाओं ने वैयक्तिक और छोटे कारोबारियों से संबंधित एक बहुत बड़ा डाटा सृजित कर दिया है। क्रेडिट ब्यूरो, यूटिलिटी और क्रेडिट कार्ड बिलों के भुगतान इत्यादि से अभिलेखों की उपलब्धता ने फिनटेक फर्मों को इस बात के लिए सक्षम बना दिया है कि वे व्यापक स्तर पर उपलब्ध जानकारियों का इस्तेमाल करें और संभावित उधारकर्ताओं से संबंधित विशेष आंकडे एकत्रित करें। जैसे-जैसे ज्यादा से ज्यादा आंकड़े डिजिटल होंगे, वैसे-वैसे एसएमई की ऋण पात्रता का मूल्यांकन करने के लिए लगने वाली लागत और प्रयास में काफी कमी आएगी। उधारकर्ता फिनटेक ऋणदाताओं अथवा बैक को ऋण मंजरी के लिए अपने डिजिटल फुटप्रिंट का प्रयोग करने की अपनी 'सहमति' दे सकते हैं। यह पहले से ही पूर्व-अनुमोदित ऋणों में स्पष्ट है जो खुदरा उधारकर्ताओं को दिए जा रहे हैं।

हम बैंक को फिनटेक कंपनियों के साथ मिलकर कार्य करने के लिए क्यों कह रहे हैं?

10. जैसा कि मैंने देखा है कि फिनटेक कंपनियां परंपरागत वित्तीय सेवा कारोबार के प्रत्येक पहलू में बदलाव कर रही हैं और बैंकिंग प्रणाली के लिए एक चुनौती बन कर उभरी हैं। पीडब्ल्यूसी 2016 वैश्विक फिनटेक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार 28 प्रतिशत तक के बैंकिंग और भुगतान कारोबार 2020 तक जोखिम पूर्ण है। बैंकों के कारोबार में होने वाली प्रतिस्पर्धा नई प्रकार की कंपनियों अर्थात फिनटेक कंपिनयों से आती है जिनमें विप्रेषण, ऋण, बचत इत्यादि जैसी वित्तीय ग्राहकों की कठिनाइयों का समाधान करने की क्षमताएं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि एमएसएमई बैंकिंग उपभोक्ता बैंकिंग, भुगतान और निवेश/संपत्ति प्रबंधन के बाद अगले 5 वर्षों में फिनटेक द्वारा शुरू किया गया यह चौथा बड़ा क्षेत्र बनने वाला है। एक अन्य अध्ययन[4] सिटी अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किया गया है जिसमें कहा गया है कि अगले 10 वर्षों में परंपरागत बैंकों के सभी कर्मचारियों के लगभग एक तिहाई कर्मचारी कम हो जाएंगे। यह अनुमान आवश्यक रूप से वृद्धि की कमी और आने वाले समय में कारोबार के नुकसान के बारे है , यद्यपि, इस समय इस बात का अनुमान लगाना मुश्किल है कि फिनटेक फर्मों से कितना लाभ अथवा कितना जोखिम है।

11. उपर्युक्त चुनौतियों, जो फिनटेक कंपनी प्रस्तुत कर सकती हैं, को ध्यान में रखते हुए कारोबारी भावना से यही प्रतीत होता है कि भौतिक बैंक शाखाओं को अधिक कुशल और सक्रिय फिनटेक प्रतिभागियों के साथ मिलकर कार्य करना चाहिए। बैंकों को इस बदलाव से पड़ने वाले संभावित प्रभाव का मूल्यांकन करने और अपने कारोबारी मॉडल को पुन: उन्मुख करने की जरूरत पड़ेगी। कर्तव्य के रूप में, उन्हें अपने तुलनात्मक लाभ का लिवरेज लेने की जरूरत हो सकती है ताकि अपने ग्राहक संबंधों को सुधार कर सकें, अपनी आंतरिक प्रक्रियाओं, मन:स्थिति और आंतरिक संरचनाओं में बदलाव कर सकें। कई बैंकों ने सीमित तरीके से ऋण देने के निर्णयों करने में प्रौद्योगिकी का उपयोग करके फिनटेक कंपनियों के तरीकों को पहले से ही अपना लिया है। कई बैंकों ने खुदरा और एसएमई उधारकर्ताओं के लिए क्रेडिट स्कोरिंग मॉडल का इस्तेमाल करना प्रारंभ कर दिया है। उन्हें जो अभी भी हिचक हो रही है जिससे संभाव्य उधारकर्ता बचते हैं, उन्हें फिनटेक प्रतिभागियों के साथ तेज गति से चलना है।

[4] http://svicenter.com/how-big-banks-are-embracing-the-FinTech-revolution-and-more-news

12. फिनटेक फर्म नवोन्मेष कौशल में बेहतर होती हैं और उन्हें विनियामक स्वतंत्रता जो नवोन्मेष होने, बड़े आंकड़ों का लाभ लेने और बाजार परिवर्तनों के जवाब में जरूरी होने के लिए उपलब्ध होते हैं, का सहयोग मिलता है। तथापि, जैसे-जैसे इस वर्ग के आकार में वृद्धि होगी, इसे समकक्ष विनियामक ढांचा के तहत लाना सुनिश्चित करना होगा। तथापि, इनमें से अधिकांश वेंचर कैपिटल समर्थित प्रतिष्ठान हैं जिन्हें यथार्थत: एक व्यापक पूंजी आधार से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता है। यह वही है जहां बैंक फिनटेक कंपनियां का लाभ उठा सके। बैंक एमएसएमई वर्ग, जो मौजूदा केवाईसी तथा मूल्यांकन और निगरानी सिद्धांतो से अनुपालित है, को प्रभावी तरीके से ऋण देने में बड़े आंकड़ों, आंकड़ों के विश्लेषण, एसएमई अनुकूल आवेदनों इत्यादि का भी लाभ उठा सकें और अपनी मध्यवर्ती और अनुपालन लागत को कम कर सकें। आंतरिक रूप अथवा सहयोग के जरिए करना है, यह एक प्रकार कारोबारी निर्णय है जिसे वैयक्तिक बैंकों को लेने की जरूरत है।

13. कई अंतर्निहित लाभ जिन्हें फिनटेक प्रतिभागी लेते हैं, के बावजूद उनके लिए यह एकतरफा रास्ता है। फिनटेक कंपनियों के पास अपना खुद का बहुत बड़ा ग्राहक आधार नहीं होता है और वित्तीय उद्योग की लाइसेंसिंग प्रणाली और विनियमनों पर चलने की विशेषज्ञता न होने पर भी उन्होंने अपने आप काफी रास्ता तय कर लिया है। प्रमुख शक्ति जो पारंपरिक बैंकों के पास है वह अनेक दशकों के दौरान बनी विश्वसनीयता की ख्याति है। बैंकों के पास पूंजी है और कड़ी प्रतिस्पर्धा को सहन कर सकते हैं। उनके पास जोखिम प्रबंधन, स्थानीय विनियमन और अनुपालन का विशेष वित्तीय ज्ञान के साथ-साथ अनुभव और उपयोग किया हुआ तथा जांचा-परखा इन्फ्रास्ट्रक्चर का होना भी है। वास्तव में, बाजार और ग्राहक ज्ञान और पहले से मौजूद ग्राहक आधार होने से बैंक फिनटेक प्रोजेक्ट के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। संक्षिप्त में, बैंक और फिनटेक फर्म को भिन्न-भिन्न तुलनात्मक लाभ हैं और दोनों के बीच रणनीतिक तरीके से मिलकर कार्य करने की साझेदारी उन्हें अपने-अपने संबंधित प्रमुख क्षमताओं पर ध्यान देने के लिए उदार बनाएगा और वे नवोन्मेष प्रक्रिया में योगदान देंगे।

14. अब मैं कुछ तकनीकी सक्षम उपायों पर चर्चा करना चाहूंगा जो एमएसएमई क्षेत्र को वित्त की पहुंच बढ़ाने के लिए रिज़र्व बैंक द्वारा किए गए हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा किए गए कई उपाय

15. रिज़र्व बैंक ने बैंकिंग सुविधा से वंचित लोगों के लिए बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने, कुशल इलेक्ट्रानिक भुगतान प्रणाली को नियंत्रित करने और एमएसएमई क्षेत्र को वैकल्पित विकल्प प्रदान करने के लिए उपाय किए हैं। अपनी बात समाप्त करने के पहले मैं रिज़र्व बैंक द्वारा एमएसएमई क्षेत्र के लाभ के लिए किए गए तकनीकी आधारित उपायों पर चर्चा करना चाहूंगा।

(i) व्यापार प्राप्तियां एवं बट्टा प्रणाली (टीआरईडीएस): एमएसएमई को भुगतान करने में हो रही देरी की समस्या से निपटने के लिए रिज़र्व बैंक ने व्यापार प्राप्तियां एवं बट्टा प्रणाली को परिचालित करने के लिए तीन प्रतिष्ठानों को लाइसेंस दिया है। इसका उद्देश्य इलेक्ट्रानिक बिल फैक्टरिंग एक्सचेंज को सृजित करना है जो बिलों को इलेक्ट्रानिक रूप में स्वीकार करेगा और उनका निपटान करेगा ताकि एमएसएमई देरी के बिना अपनी प्राप्तियों का नकदीकरण कर सकें। यह प्रणाली अनेक वित्त देने वाली संस्थाओं के जरिए कार्पोरेट और अन्य क्रेताओं जिसमें सरकारी विभागों और सरकारी उद्यम शामिल हैं, से एमएसएमई की व्यापार प्राप्तियां के आधार पर वित्त देने की सुविधा प्रदान करेगी। यह अपेक्षा है कि टीआरईडीएस इस चालू राजकोषीय वर्ष के भीतर ही परिचालन का कार्य शुरू कर देगी।

(ii) उद्यमी मित्र पोर्टल की स्थापना स्टैंड-अप मित्र पोर्टल के आईटी आर्किटेक्चर लाभ उठाने के लिए की

गई है। स्टैंड-अप मित्र पोर्टल का उद्देश्य एमएसएमई की वित्तीय और गैर वित्तीय सेवाओं की आवश्यकताओं की पहुंच को आसान बनाना है। आभासी बाजार स्थल के रूप में यह पोर्टल न केवल क्रेडिट डिलिवरी के लिए बल्कि हैंड होल्डिंग सपोर्ट, अप्लीकेशन ट्रैकिंग, हितधारकों के साथ अनेक इंटरफेस के जरिए ऋण और इससे जुड़ी सेवाएं प्रदान करने के लिए भी संपूर्ण समाधान प्रदान करने का प्रयास करता है।

(iii) भुगतान बैंक/लघु वित्त बैंक (एसएफबी): विभेदक लाइसेंस प्रणाली जारी करने के बाद इस प्रकार के अनेक प्रतिष्ठान परिचालन में हैं/ जल्द ही परिचालन शुरू करेंगे। इन बैंकों के पास शूरूआत से अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी की सुविधा होगी। भुगतान बैंक सीधे तौर पर ऋण नहीं दे सकते हैं किंतु ऋण उत्पादों के वितरक हो सकते हैं। जबकि एसएफबी प्रमुख रूप से एमएसएमई क्षेत्र में कार्य करेंगे। इससे एमएसएमई वित्तपोषण के क्षेत्र में पैतृक बैंकर/नए बैंकिंग प्रतिभागी और फिनटेक कंपिनयों के बीच दो-तरफा/ तीन-तरफा साझेदारी करने के अवसर उपलब्ध हैं। प्रमुख वही होंगे जिनका विज़न स्पष्ट होगा और तेज गति से आगे बढ़ेगे।

समापन

16. अब मैं यहां उपस्थित बैंक के सीईओ और एमएसएमई प्रभाग के प्रभारियों का ध्यान एमएसएमई वर्ग के 'माइक्रो' ग्राहकों पर अलग से जोर देने की आवश्यकता पर आकर्षित करना चहता हूँ। माइक्रो प्रतिष्ठानों में एक विशेष वर्ग शामिल है क्योंकि ये ज्यादातर वैयक्तिक अथवा पारिवारिक कारोबार वाले लोग हैं जिनकी आवश्कयता बहुत ही अलग होती है। जैसा कि आमतौर पर देखा जाता है कि इनमें पर्याप्त दस्तावेजीकरण की कमी होती है, इसलिए ये औपचारिक वित्तीय प्रणाली से ऋण नहीं ले पाते हैं। एक अनुमान से पता चलता है कि मौजूदा समय पर इन प्रकार की लगभग 93 प्रतिशत इकाइयां औपचारिक ऋण प्रणाली से बाहर हैं। मुझे लगता है कि लघु उद्यमों सहित इस वर्ग को बैंकों और फिनटेक प्रतिभागी के बीच सहकार्य से बहुत अधिक लाभ हो सकता है जिसमें उनके अन्य भुगतान रिकार्ड उनकी ऋण विश्वसनियता का आधार बना सकते हैं।

17. एक अन्य संबंधित पक्ष है जिसे मैं यहां उल्लेख करना चाहता हूँ, वह यह है कि आमतौर पर एमएसएमई वर्ग में छोटे प्रतिभागी बैंक खाता होने के बावजूद नकदी में लेनदेन करते हैं। धन्यवाद कि हाल में विशिष्ट बैंक नोट (एसबीएन) को वापस लिया गया जिससे अधिकांश प्रतिभागी अपने बैंक खाते के जरिए अपने लेनदेन करना शुरू कर दिया है। यह बैंकों के लिए बड़ा अवसर है कि वे आंकड़ों का विश्लेषण करें और छोटे उद्यमियों की ऋण जरूरतों का मूल्यांकन करने के लिए परिणामों का उपयोग करें। इसे उल्लेख करना जरूरी नहीं है कि इस प्रकार की विशेषज्ञता में वित्तीय साक्षरता के प्रयासों को जोड़ना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उधारकर्ता लाभकारी उद्देश्य के लिए उधार का उपयोग करते हैं और वे नकदी में लेनदेन भी नहीं करते हैं।

18. वास्त्व में, फिनटेक सक्षम बैंकिंग प्रणाली से संबंधित मेरा विज़न यह है कि एक माइक्रो उद्यमी को जल्दी सुबह ऋण प्राप्त हो, जिससे वह थोक बिक्री बाजार से अपना समान खरीद सके और दिन के दौरान उन्हें बेचें और ग्राहकों से इलेक्ट्रानिक (मोबाइल मनी) रूप में भुगतान प्राप्त कर दिन की समाप्ति पर बैंक को ऋण की चुकौती कर दे तथा शेष अधिशेष राशि अपने संबद्ध बचत खाते में जमा करा दे। इस प्रकार की बचतों से राशि होने के बाद स्वत: कुछ माइक्रो निवेश/पेंशन उत्पादों जमा हो जाए। मैं पूरी तरह से मानता हूँ कि बैंकों और फिनटेक के बीच एक सामंजस्यपूर्ण सहकार्य इस विज़न को पूरा करने में मदद कर सकता है।

19. मैं अपनी बात एक पुन: यह कहते हुए समाप्त करना चाहता हूँ कि यह समय फिनटेक कंपनियों का है और मौजूदा बैंकों के लिए अभी देर नहीं हुई है। बैंक जो आज के समय के अनुसार अपने आप को नहीं बदलेंगे, उन्हें इतिहास बन जाने का जोखिम हो सकता है। उन्हें अपेक्षित प्रतिभा खोजने की जरूरत है और ऐसा माहौल बनाए, जहां इस प्रकार की प्रतिभा नवोन्मेशी और सक्रिय हो सकती है। बैंकों को फिनटेक कंपनियों की सफलता को एक अवसर की तरह लेना चाहिए न कि एक खतरे की तरह लेना चाहिए।

मैं एक बार पुन: मुझे यहां आमंत्रित करने के लिए सीएबी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ और इस सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामनाएं देता हूँ।

आप सभी का धन्यवाद!